शिक्षा एवं आधुनिकीकरण (Education & Modernisation) ⇒

सैद्धान्तिक एवम् साहित्यिक दायरे से बाहर निकलकर यदि हम व्यवहारिक दृष्टि से देखें तो पायेंगे कि जिन समाजों में शिक्षा की पर्याप्तता होती है, जिनमे शिक्षा का उच्च स्तर, प्रचार एवं प्रसार होता है उन्ही समाजो मे आधुनिकीकरण अधिक पाया जाता है। शिक्षा द्वारा आधुनिकीकरण की प्रक्रिया क्यों तीव्र होती है? यह एक ज्ञातव्य तथ्य है। इस प्रश्न के उत्तर मे हम कह सकते है कि शिक्षा द्वारा निम्नांकित कारणों से आधुनिकीकरण की प्रक्रिया तीव्र होती है —

1. **दृष्टिकोण की व्यापकता ⇒**

शिक्षा द्वारा व्यक्तियों मे व्यापकता आती है। दृष्टिकोण की व्यापकता के कारण व्यक्ति की नैतिकता मे गत्यात्मकता आती है और नैतिक मूल्यों की गत्यात्मकता के कारण व्यक्ति पुराने नैतिक मूल्यो को त्याग, नये ग्रहण करता है। दृष्टिकोण की व्यापकता के कारण व्यक्ति अनेकानेक संकीर्णताओं को त्यागकर विविधता अपनाता है।

2. **ज्ञान भण्डार मे वृद्धि ⇒**

शिक्षा व्यक्तियों के ज्ञान-भण्डार मे वृद्धि कराती है। शिक्षा के द्वारा व्यक्तियों के साहित्य, दर्शन, विज्ञान, कृषि, प्रौद्योगिकी तथा इलेक्ट्रानिक्स आदि से सम्बन्धित ज्ञान के भण्डार मे वृद्धि होती है। इस प्रकार के ज्ञान-भण्डार मे वृद्धि से व्यक्ति विविध क्षेत्रों मे उन्नति कर आधुनिक समाजों के परिवार मे सम्मिलित होते हैं।

3. **आर्थिक समृद्धि ⇒**

अनेक देशों जैसे- जापान, जर्मनी आदि ने यह प्रमाणित कर दिया है कि शिक्षा आर्थिक प्रगति तथा उन्नति का सबसे उत्तम साधन है। शिक्षा के द्वारा श्रमिकों की कार्यकुशलता बढती है, उत्पादन के नये-नये साधन विकसित होते हैं, प्रबन्ध-कुशलता परिपक्व होती है तथा विनिमय और वितरण की नई-नई विधियाँ जन्म लेती है।

Scanned with CamScanner

4. जीवन-स्तर का उन्नयन ⇒

शिक्षा से जीवन स्तर ऊँचा उठता है। शिक्षा व्यक्ति के अपने सीमित साधनों की सहायता से अधिकता से अधिकतम उपयोगिता प्राप्त करने की विधि सिखाती है। वह कम आर्थिक व्यय पर ही अच्छा जीवन व्यतीत करना सीख जाता है। आधुनिकीकरण के लिए अच्छा जीवन-स्तर आवश्यक है। जिसे कठिनाई के साथ भी समय से भोजन उपलब्ध न हो सके तो वह पहले अपने सुबह-शाम के भोजन की व्यवस्था की चिन्ता करेगा, न कि अपने आधुनिकीकरण की।

5. तीव्र सामाजिक परिवर्तन ⇒

शिक्षा जैसा कि हम ऊपर देख चुके हैं सामाजिक परिवर्तनों का एक बड़ा ही सशक्त साधन है। शिक्षा द्वारा विविध उपायों से सामाजिक परिवर्तन लाये जाते हैं और आधुनिकीकरण का मार्ग प्रशस्त करती है। तदुपरान्त ये सामाजिक परिवर्तन व्यक्तियों को आधुनिकीकरण के लिए अग्रसर एवं प्रेरित करते हैं।

6. सन्तुलन स्थापना ⇒

समाज में जब भी किसी प्रकार के परिवर्तन घटित होते हैं तो उससे सामाजिक व्यवस्था में असन्तुलन आ जाता है। असन्तुलन तथा अस्थिरता का यह काल अनिश्चितता लाता है और इस काल में ही व्यक्ति विभिन्न वर्गों में विभक्त होकर असमंजस की स्थिति में फँस जाते हैं। शिक्षा इन समस्त आवश्यकताओं तथा असमंजसों को दूर करती है। असमंजस की स्थिति में व्यक्ति यह निश्चित नहीं कर पाते कि पुरातन से ही लगाव रखे रहें या नवीन को ग्रहण कर लें। शिक्षा व्यक्तियों को इन स्थितियों से निकालकर उनकी विचारधाराओं तथा स्थितियों में सन्तुलन लाती है।

Scanned with CamScanner